>

Title: Need to ensure adequate supply of water in Rajasthan especially in Dausa Parliamentary Constituency.

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा (दौसा): माननीय सभापति जी, मैं राजस्थान में पानी की भीषण समस्या की तरफ सदन का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं। राजस्थान देश का भौगोलिक दृष्टि से सबसे बड़ा प्रदेश है और वहां पीने के पानी की भयंकर समस्या है। बार-बार राजस्थान के मुख्यमंत्री गहलोत साहब ने और हमारे सांसदों ने इस मुद्दे को सदन में उठाया है। बहुत बार राजस्थान का भू-भाग मरुस्थल है, आदिवासी इलाका है, ताल का क्षेत्र है, जहां पीने के पानी की सुविधाएं प्रोपर नहीं हैं। एकमात्र 12 मासी बहने वाली नदी है, उसमें कोटा की डाउनस्ट्रीम से लेकर धौलपुर तक पानी बेकार चला जाता है। सरकार में एक बड़ी योजना पैंडिंग है, जिसका नाम इन्दिरा लिफ्ट इर्रीगेशन प्रोजैक्ट है। मैं सरकार से निवेदन करना चाहता हूं कि अगर वह प्रोजैक्ट सैंक्शन हो जाये, उसकी क्लियरेंस हो जाये तो पूरे पूर्वी राजस्थान को उससे पानी पीने को और सिंचाई को भी दिया जा सकता है। अभी राजस्थान के बजट में घोषणा की है कि एन.सी.आर. को चम्बल से पानी देने की, लेकिन उसमें बीच में 3-4 जिले, भरतपुर, धौलपुर, सवाईमाधोपुर, दौसा, करौली का एरिया रह गया है, उसको शामिल नहीं किया गया है।

एक जब भी बरसात होगी तो युमना में बाढ़ की शिकायत होती है, हाहाकार सदा मचता है, जिससे दिल्ली में भी समस्या खड़ी होती है। इस यमुना का जो एक्स्ट्रा पानी है, बरसात में जो सरप्लस पानी है, उसको अगर डाइवर्ट करके राजस्थान को दे दिया जाये तो समूचे राजस्थान के रिजर्वायर्स में पानी डाला जा सकता है और वहां की पानी की समस्या का समाधान हो सकता है।

एक जो मांग मैं प्रमुख रूप से सरकार से करना चाहूंगा कि पानी की दृष्टि से राजस्थान को विशेष दर्जा देना निहायत आवश्यक है, वहां विशेष संभावनाएं हैं, विशेष कंडीशंस हैं, विशेष परिस्थिति वहां पर हैं कि वहां बरसात बहुत कम होती है और अकाल सबसे ज्यादा पड़ते हैं। वहां मरुस्थली भूमि बहुत ज्यादा है। हमारे सांसद बाड़मेर यहां पर बैठे हैं और अर्जुन जी बैठे हैं, इनके इलाके में तो और भी भीषण समस्या है, इसलिए मैं सरकार से मांग करूंगा कि पानी की दृष्टि से राजस्थान को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाये और नदियों को जोड़कर वहां पर पानी उपलब्ध कराया जाये। यही मेरा निवेदन है।